रेल पहिया कारखाना की उपलब्धियों को गिनाया

संसू, जागरण● दरियापुर : रेल पहिया कारखाना बेला दरियापुर के परिसर में गुरुवार को कारखाना का 10वां स्थापना दिवस मनाया गया। कारखाना परिसर में एक संगोष्ठी का आयोजन भी किया गया। रेल पहिया कारखाना बेला दरियापुर के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी अतुल्य सिन्हा ने 10 वर्षों के सफर में कारखाने की तकनीकी उपलब्धियों से अवगत कराया।

उन्होंने कहा कि इस कारखाने की स्थापना से पूर्व हमारे देश में तीन पहिया कारखाना था। रेल पहिया का निर्माण टाटा स्टील प्लांट, दुर्गापुर स्टील प्लाट व बंगलूरू रेल पहिया कारखाना में होता था। एक अगस्त 2004 को स्थापित होने के बाद यहां से पहिया डिस्पैचिंग का कार्य वर्ष 2013 से शुरू हुआ। हमने बीते दस वर्षों में 2.5 लाख पहियों का निर्माण कर भिन्न भिन्न रेलवे कार्यशालाओं के लिए आपूर्ति की है। वर्तमान में यहां चार प्रकार के रेल पहिया का निर्माण किया जा रहा है।

बताया कि पूर्व में यह पूरा क्षेत्र जल प्लावित हुआ करता था, लेकिन इस पहिया कारखाना के निर्माण से आज रिहायशी इलाके के साथ साथ यहां लोगों को प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के साधन भी हासिल हो रहे है। पहिया उत्पादन की चर्चा करते हुए कहा कि पिछले वर्ष 42 हजार पहिया बनाने का लक्ष्य था। इस वर्ष 50 हजार तथा भविष्य में एक लाख पहियों के निर्माण का लक्ष्य रहेगा। परिसर में प्रदर्शनी भी लगाई गई।

रेल पहिया कारखाना बनाएगा नया इतिहास

दरियापुर। बेला रेल पहिया कारखाना का गुरुवार को 10 वां स्थापना दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया जिसका उद्घाटन मुख्य प्रशासनिक अधिकारी अतुल्य सिन्हा, पूर्व सीएओ राजीव मिश्रा आदि ने संयुक्त रूप से किया। मुख्य प्रशासनिक अधिकारी अतुल्य सिन्हा ने कहा कि यह कारखाना आने वाले दिनों में विश्व में नया इतिहास रचेगा।

दरियापुर के बेला रेल पहिया कारखाने के स्थापना दिवस समारोह का गुरुवार को फीता काट कर उद्घाटन करते पूर्व मुख्य प्रशासनिक अधिकारी राजीव मिश्रा, सीएओ अतुल्य सिन्हा व अन्य अधिकारी।

विगत दस वर्षों में कारखाने ने काफी तरक्की की है। जहां पहले एक ही तरह के पहियों का निर्माण होता था। आज चार तरह के पहियों का निर्माण हो रहा है। रेलगाड़ी में इस्तेमाल होने वाले अन्य तरह की पहियों का निर्माण भी यहां किया जाएगा इसके लिए प्रयास किया जा रहा है। अतुल्य सिन्हा ने कहा कि इस कारखाने में स्क्रैप के अलावा डैमेज व पुराने पहिए को गला कर नए पहिए का निर्माण किया जाता है जो अपने आप में अनोखा है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष 50 हजार पहियों का उत्पादन कर उसके निर्यात का लक्ष्य रखा गया है।उन्होंने कहा कि जो भी कुछ हुआ है, सब कारखाने के अधिकारियों व कर्मचारियों के परिश्रम की बदौलत हुआ है। पूर्व सीएओ राजीव मिश्रा ने यहां के अधिकारियों व कर्मचारियों की सराहना करते हुए कहा कि वाकई इस कारखाने ने काफी उपलब्धि हासिल की है। अन्य अधिकारियों ने भी इस कारखाने की उपलब्धियों की चर्चा की। इस अवसर पर सभी कर्मचारियों व अधिकारियों को सम्मानित किया गया। कारखाने के अधिकारियों व कर्मचारियों के अलावे कई अवकाश प्राप्त अधिकारियों ने भाग लिया।

रेल पहिया कारखाना ने मनाया दसवां स्थापना दिवस

■ दरियापुर (एसएनबी) ।

रेल पहिया कारखाना बेला का दसवां स्थापना दिवस समारोहपूर्वक मनाया गया।इस अवसर पर सभी अधिकारी तथा कर्मचारी काफी उत्साहित नजर आ रहे थे।

वहीं कारखाना के एक दशक के सफर की चर्चा करते हुए मुख्य प्रशासनिक अधिकारी अतुल्य सिन्हा ने बताया की इस परियोजना की स्वीकृति सन 2005-2006 में ही हुई थी।जिसके बाद 292 एकड़ के विशाल भूभाग पर 1639 करोड़ रुपए की लागत से सन 2008 ई में कार्य की शुरुवात हुई थी। वहीं नवंबर 2013 से पहिया निर्माण कार्य शुरू हुआ और उस सत्र में 201 पहिया का निर्माण किया गया।जो 2024 में 42167 पहिया के निर्माण तक का सफर पूरा किया है।इसके साथ ही वर्तमान सत्र में 50 हजार पहिया के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है। जिसे आसानी से पूरा कर लिया जाएगा।कारखाना के द्वारा चार तरह के पहियों का निर्माण किया जाता है जिसमे दो सवारी गाड़ी तथा दो मालगाड़ी में इस्तेमाल किया जाता है।कारखाना में दिन प्रतिदिन नई नई सुविधाएं भी बहल की जा रही है।इस मौके पर मुख्य प्रशासनिक अधिकारी के द्वारा एक डिजिटल गैलरी की भी शुरुवात की गई। जिसमे स्थापना काल से लेकर अब तक के सफलता एवम उपलब्धियों से जुड़ी जानकारियों को डिजिटल फोटो के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है। जो नई पीढियों को रेलवे के इतिहास से अवगत कराएगा।इसके साथ ही रेलवे के इतिहास में अब तक इस्तेमाल की गई पहियों को भी एकत्रित कर प्रदर्शित किया गया।इस मौके पर सभी अधिकारी एवम कर्मचारी मौजूद थे।

एक दशक में कई उपलब्धियां हुई हासिल

'2.5L rail wheels produced at Bela plant in 10 years'

H K Verma | TNN

Chhapra: The Rail Wheel Plant at Bela in Saran district celebrated its 10th anniversary on Thursday. The event featured the inauguration of a digital gallery and a one-day technical seminar.

Chief administrative officer Atulya Sinha inaugurated the event, reflecting on the plant's journey since its designation as a production unit by the Railway Board on August 1, 2014. Sinha highlighted the plant's key achievements, including the production of over 2,50,000 rail wheels and multiple certifications for quality and excellence since its inception.

10th ANNIVERSARY

"We are proud of our employees' dedication and hard work, which has been instrumental in our success," Sinha said. "The entire plant family is excited to continue pushing the boundaries of innovation in rail wheel casting," he added.

The celebration was attended by additional member of the production unit S K Pankaj and several senior officers, including Arun Bhargav, Rajiv Mishra, Ajai Kumar, R P Singh and Shubhranshu.

TOI

Railway officials at a function on Friday

Sanctioned in 2005-06 with a budget of Rs 1,639 crore, the plant spans approximately 292 acres near NH-19 on Sonepur-Chhapra Road. It began dispatching wheels in February 2013 with an annual production capacity of 50,000 wheels. Recent product introductions for 2023-24 include bogie low container (BLC) wheels and electrical multiple unit (EMU) wheels.

रेल पहिया कारखाना बेला का मना स्थापना दिवस

दैनिक खोज खबर/दरियापुर(सारण) रेल पहिया कारखाना बेला में स्थापना दिवस मनाई गई इस मौके पर कार्यक्रम का उद्घाटन अ.स. (पी यू) के अधिकारी ए. के. पंकज ने किया। इन्होंने रेल पहिया कारखाना बेला के द्वारा दस वर्षों में जो कार्य हुआ है, उसकी चर्चा करते हुए बताया की करीब ढाई लाख से अधिक पहियों का निर्माण किया गया। साथ ही देश के विभिन्न क्षेत्रीय रेलवे कार्य शालाओं में पहिया की आपूर्ति की कराई गई। वही पहिया के गुणवत्ता को जांच परखने के बाद आई एस ओ, आईआरआईएस, एन ए बी सी तथा फाइव एस से प्रमाण पत्र भी दिया गया। आगामी वित्तीय वर्ष 2024/25 में पचास हजार पहिया बनाने का लक्ष्य रखा गया और इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए कारखाना के ऊपर से लेकर नीचे तक के वर्कर दिन रात

मेहनत कर रहे है। सभी वरीय अधिकारी अपने कर्मीय टेक्नीशियन को समय समय पर हौसला अफजाई करके उन्हे उत्साहित करते है, ताकि काम की दबाव में मन बोझिल न हो।वही रेल कारखाना अपनी दसवीं स्थापना मना रही है लेकिन दुर्भाग्य इस बात का है की अब तक विधिवत कारखाना उद्घाटन नही किया गया है। स्थानीय प्रतिनिधियों ने इतने बड़े कारखाना को उद्घाटन न कराकर इस कारखाना के लिए यक्ष प्रश्न बनाकर रख दिया है।

दैनिक भास्कर

छपरा 02-08-2024

मार्कशीट उपलब्ध कराने को कहा है।

ईएमयू कोच की पहियों का निर्माण हुआ शुरू

50,000 पहियां इस साल बनेगी • रेल पहिया कारखाना का स्थापना दिवस मनाया गया

सिटीरिपोर्टर | दरियापुर

बेला रेल पहिया कारखाना का 10 वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया । कारखाना परिसर में पहिया का प्रदर्शनी लगाई गई। कारखाने के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी अतुल्य कुमार सिन्हा ने बताया कि रेल पहिया कारखाना बेला भारतीय रेलवे में बेहतर स्थान रखता है। सबसे युवा उत्पादन इकाई के रूप में अपने अस्तित्व के 10 वर्ष पूरा कर लिया है। जहां अत्याधुनिक मशीनरी,अच्छी तरह से स्थापित प्रक्रियाओं और अत्यधिक प्रतिबद्धता कार्यबल के साथ कारखाना कई उपलब्धियां हासिल की है। कारखाना शुरू के दिनों में केवल वैगन पहियों का निर्माण कर रही थी। वर्तमान में कोचिंग और माल ढुलाई दोनों के लिए व्हील का उत्पादन होता हैं। जिसमे बीएलसी वैगन और ईएमयू कोच की पहियों का

प्रदर्शनी का मुआयना करते रेलवे के अधिकारी व रेल पहिया कारखाना

निर्माण हाल ही में शुरू की गई है। कारखाना साल 2023-24 में 42,167 पहियों का निर्माण कर एक नई कीर्तिमान स्थापित की है। कारखाना साल 2024-25 में 50,000 पहियों का लक्ष्य हासिल करने को प्रतिबद्ध हैं। मौके पर जनसंपर्क पदाधिकारी उतम कुमार,पूर्व के पदाधिकारी,कर्मचारी और वर्तमान पदाधिकारी आदि मौजूद रहे।

रेल पहिया कारखाना ने मनाया दसवां स्थापना दिवस

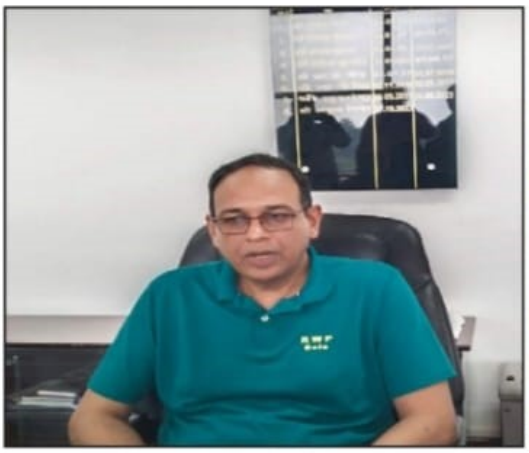

प्रात : किरण, संवाददाता

दरियापुर।रेल पहिया कारखाना बेला का दसवां स्थापना दिवस समारोहपूर्वक मनाया गया।इस अवसर पर सभी अधिकारी तथा कर्मचारी काफी उत्साहित नजर आ रहे थे। वहीं कारखाना के एक दशक के सफर की चर्चा करते हुए मुख्य प्रशासनिक अधिकारी अतुल्य सिन्हा ने बताया की इस परियोजना की स्वीकृति सन 2005-2006 में ही हुई थी।जिसके बाद 292 एकड़ के विशाल भूभाग पर 1639 करोड़ रुपए की लागत से सन 2008 ई में कार्य की शुरूवात हुई थी। वहीं नवंबर 2013 से पहिया निर्माण कार्य शुरू हुआ और उस सत्र में 201 पहिया का निर्माण किया गया।जो 2024 में 42167 पहिया के निर्माण तक का सफर पूरा किया है।इसके साथ ही वर्तमान सत्र में 50 हजार पहिया के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है।जिसे आसानी से पूरा कर लिया जाएगा।कारखाना के द्वारा चार तरह के पहियों का निर्माण किया जाता है जिसमे दो सवारी गाड़ी तथा दो मालगाड़ी में इस्तेमाल किया जाता है।कारखाना में दिन प्रतिदिन नई नई सुविधाएं भी बहल की जा रही है।इस मौके पर मुख्य प्रशासनिक अधिकारी के द्वारा एक डिजिटल गैलरी की भी शुरूवात की गई।जिसमे स्थापना काल से लेकर अब तक के सफलता एवम उपलब्धियों से जुड़ी जानकारियों को डिजिटल फोटो के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है।जो नई पीढियों को रेलवे के इतिहास से अवगत कराएगा।इसके साथ ही रेलवे के इतिहास में अब तक इस्तेमाल की गई पहियों को भी एकत्रित कर प्रदर्शित किया गया।इस मौके पर सभी अधिकारी एवम कर्मचारी मौजूद थे।

Many takers for digital gallery at rail wheel plant

H K Verma | TNN

Chhapra: A digital gallery, inaugurated on Thursday to mark the 10th foundation day of the Rail Wheel Plant at Bela in Saran, has been attracting a large number of visitors. The gallery is located on the third floor of

NEW ATTRACTION

the administrative building. A special logo was also released to commemorate the occasion.

Atulya Sinha, the CEO of the plant, told reporters that visitors could view the plant's development over the past decade. "When this plant started, the geographical situation was unfavourable. However, due to the hard work of our staff, we are now able to showcase our development," he said.

The exhibition includes materials used in casting wheels and depicts the progress of rail wheels in India over the last 170 years.

Sinha said four varieties of wheels — body low container, BOXN bogie open high sided air brakes, bogie low container and electric multiple unit—are cast at the plant.

लगभग 1639 करोड़ की लागत से बना था कारखाना, 1 अगस्त 2014 को रेलवे बोर्ड ने दी थी मान्यता

बेला के रेल पहिया कारखाना के पूरे हुए 10 वर्ष प्रदर्शनी में पहिये के क्रमिक विकास को जान सकेंगे

कर्मियों में उत्साह

संवाददाता, दिघवारा

बेला में स्थित रेल पहिया कारखाना की स्थापना के 10 वर्ष पूरे होने पर भव्य कार्यक्रम किया गया. इसमें कारखाना के सभी कर्मियों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया. इस दौरान कारखाना के अब तक के क्रमिक विकास पर प्रकाश डाला गया और इसकी उपलब्धि से हर किसी को रूबरू कराया गया. कार्यक्रम का उद्घाटन करने के बाद पत्रकारों के साथ बातचीत में कारखाना के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी अतुल्य सिन्हा ने कहा कि 1 अगस्त 2014 को इस कारखाना को रेलवे बोर्ड द्वारा उत्पादन इकाई के रूप में मान्यता मिली थी एवं 10 वर्षों में कारखाना ने उपलब्धियां के नित नए अध्यायों को लिखा है. लगभग 1639 करोड़ की लागत से बने इस कारखाना में अब तक ढाई लाख पहियों का उत्पादन हो चुका है. रेलवे की कई क्षेत्रीय कार्यशालाओं में इन पहियों को भेजा गया है. कारखाना ने कई पुरस्कार भी प्राप्त किये हैं. मौजूदा समय में इस कारखाने में चार वैरायटी के पहियों का उत्पादन होता है, जिनमें दो यात्री एवं दो मालगाड़ी ट्रेनों के पहिये शामिल हैं. इस वित्तीय वर्ष में 50 हजार पहियों के उत्पादन का लक्ष्य है एवं कारखाना उत्पादन लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है. कारखाना में एक साल में अधिकतम एक लाख पहियों के उत्पादन का लक्ष्य है, जिसकी ओर तेजी से प्रगति जारी है.

रेल पहिया कारखाना का प्रशासनिक भवन.

प्रशासनिक भवन में बने डिजिटल गैलरी का अवलोकन करते सीएओ अतुल्य सिन्हा

डिजिटल गैलरी का हुआ उद्घाटन : जिस समय रेल पहिया कारखाना बेला का शिलान्यास हुआ था, उस समय यहां की भौगोलिक स्थिति बहुत प्रतिकूल थी. लेकिन, कारखाना ने विपरीत परिस्थितियों के बीच निरंतर विकास के कार्य पूरे किए. कारखाना के दसवें स्थापना दिवस पर प्रशासनिक भवन के तीसरे तल्ले पर डिजिटल गैलरी का उद्घाटन किया गया. इस डिजिटल गैलरी में कारखाना के शिलान्यास से लेकर अब तक के हुए क्रमिक विकास के फोटो व डाटा की प्रदर्शनी लगी हुई है, जिसमें पर्याप्त जानकारियां भी है. गैलरी में पहियों को बनाने में जिन चीजों का उपयोग होता है, उसे भी प्रदर्शित किया गया है. एलइडी फोटो शैली में बनी यह गैलरी काफी आकर्षक है. यह गैलरी कारखाना घूमने आने वाले हर किसी का ज्ञानवर्धन करेगी. मुख्य प्रशासनिक पदाधिकारी की व्यक्तिगत पहल पर कारखाना परिसर में पहियों की प्रदर्शनी लगाई गई है. इनमें उन पहियों को शामिल किया गया है, जिनका कभी रेलवे में उपयोग होता था. उन्होंने बताया कि रेलवे के लगभग 170 वर्षों के इतिहास में पहियों का क्रमिक विकास हुआ है. उनमें ये कई वैरायटी के पहिये यहां लगाए गए हैं. अतीत में उपयोग में आए इन पहियों को देखकर लोग अपना ज्ञानवर्धन कर सकेंगे. कारखाना घूमने आने वाले लोगों के लिए पहियों की यह प्रदर्शनी कौतुहल का केंद्र बनेगी और आने वाले लोगों का ज्ञानवर्धन करने में मददगार रहेगी. इसके अलावे कारखाना में उत्पादित हो रहे चार वैरायटी के पहियों की प्रदर्शनी भी मुख्य प्रशासनिक भवन के सामने लगाई गई है. कारखाना के मुख्य जनसंपर्क पदाधिकारी उत्तम कुमार सिंह ने बताया कि रेलवे में बनने वाले चार वैरायटी के पहियों में सभी वैरायटी के पहिए रेल पहिया कारखाना बेला में भी बनाए जाते हैं. उन्होंने बताया कि स्थापना के दस वर्षों में कारखाना में पहियों के उत्पादन में गुणात्मक विकास हुआ है. यहां के उत्पादित पहिए मानकों पर पूर्णतः खड़ा उतरते हैं. कारखाना के दस वर्ष पूरे होने पर कारखाना द्वारा एक विशेष लोगो भी जारी किया गया.